

# RUDRA&R

73  
1st April 2017

Monthly Digital Magazine



*Shubh Ram Navami*



हरे रामा हरे रामा, रामा रामा हरे हरे।  
हरे कृष्णा हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे ॥



## Ram Navami - Rama's Birthday

Lord Rama was born on Navami Tithi during Shukla Paksha of Chaitra month. Each year this day is celebrated as birthday of Lord Rama. Lord Rama was born during Madhyahna period which is middle of Hindu day. Madhyahna which prevails for six Ghatis (approximately 2 hours and 24 minutes) is the most auspicious time to perform Rama Navami Puja rituals. The mid-point of Madhyahna marks the moment when Shri Rama was born and temples symbolize this moment as birth moment of Lord Rama. The chanting of Shri Rama and celebration reaches its peak during this time.

Due to widespread use of western clock and Gregorian calendar people assume 12 p.m. as Madhyahna moment. This could have been correct if sunrise and sunset occur exactly at 6 a.m. and 6 p.m. respectively but at most places sunrise and sunset timings are different from six O'clock. Hence the exact time to celebrate birthday of Lord Rama falls between 11 a.m. and 1 p.m. for most Indian cities. DrikPanchang.com list Hindu midday moment for all cities and this moment should be used to mark the birth of Shri Rama.

Ayodhya is birthplace of Lord Rama and Rama Navami celebrations in Ayodhya are remarkable. Devotees come to Ayodhya from far-flung places. After taking holy dip into river Sarayu Devotees visit Rama temple to participate in birthday celebrations.





# अधिकार प्रवेश

रविन्द्रनाथ टैगोर

एक दिन प्रातः काल कि बात है कि दो बालक राह  
किनारे खड़े तर्क कर रहे थे। एक बालक ने  
दूसरे बालक से विषमसाहस के एक काम के बारे में बाजी  
बंदी थी। विवाद का विषय यह था कि ठाकुरबाड़ी के  
माधवी-लता-कुंज से फूल तोड़ लाना संभव है कि नहीं।  
एक बालक ने कहा कि मैं तो जरूर ला सकता हूँ और  
दूसरे बालक का कहना था कि तुम हरगिस नहीं कर  
सकते।

सुनने में तो यह काम बड़ा ही सहज-सरल जान पड़ता  
है। फिर क्या बात थी कि करने में यह काम इतना सरल  
नहीं था? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए आवश्यक है  
कि इससे संबंधित वृत्तों का विवरण कुछ और विस्तार के  
साथ प्रस्तुत किया जाए।

मंदिर राधानाथ जी का था और उसकी अधिकारणी स्वर्गीय  
माधवचन्द्र तर्कवाचस्पति की विधवा पत्नी जयकाली देवी थी।  
जयकाली का आकार दीर्घ, शरीर दृढ़, नासिका तीक्ष्ण और  
बुद्धि प्रखर थी। इनके पति देव के जीवन काल में एक  
बार परिस्थिति ऐसी हो गई थी कि इस देवोत्तर संपत्ति के  
नष्ट हो जाने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। उस समय  
जय काली ने सारा बाकी-बकाया देना अदा करके, हृद  
दौहदी पक्की करके और लम्बे अरसे से बेदखल जायदाद  
को दखल कब्जे में ला करके सारा मामला साफ-सूफ कर  
दिया था। किसी कि यह मजाल नहीं थी कि जयकाली को  
उनके प्राप्त धन की एक कानी कौड़ी से भी वंचित कर  
सकें।

स्त्री होने पर भी उनकी प्रकृति में पौरुष का अंश इतने  
प्रचुर परिमाण में था कि उनका यथार्थ संगी कोई भी नहीं  
हो सका था। स्त्रियों उनसे भय खाती थीं। परनिंदा, ओछी  
बात, रोना धोना या नाक बजाना उन्हें तनिक भी सहन  
नहीं होता था। पुरुष भी उनसे डरे डरे रहते थे। कारण यह  
था कि चंडी-मंडप की बैठक बाजी में ग्रामवासी भद्र-पुरुषों  
का जो अगाध आत्मस्य व्यक्त होता था, उसे वह एक  
प्रकार के नीरव घृणापूर्व तीक्ष्ण कटास से कुछ इतना  
धिक्कार सकती थीं कि उनकी धिक्कार आलसियों की स्थूल

जड़ता को भेदकर सीधे अंतर में उतर पड़ता था।  
प्रबल घृणा करने एवं उस घृणा को प्रबलतापूर्वक प्रकट  
करने की असाधारण क्षमता इस प्रौढ़ा विधवा में थी। विचार  
निर्णय से जिसे अपराधी मान लेती, उसे वाणी और मौन  
से, भाव और भंगिमा से बिल्कुल ही जलाकर भस्म कर  
डालना ही उनका स्वभाव था।

उनके हाथ गाँव के समस्त हर्ष-विषाद में, आपद-संपद  
में और क्रिया-कर्म में निरलस रूप से व्यस्त रहते थे।  
हर कही अतिसहज भाव से और अनायास ही अपने लिये  
गौरव का स्थान अधिकार कर लिया करती थीं। जहाँ कही  
भी वह उपस्थित होती वहाँ उनके अपने अथवा किसी अन्य  
उपस्थित व्यक्ति के मन में रत्ती भर भी सदेह नहीं रहता  
था कि सबके प्रधान के पद पर तो वहीं है।

रोगी की सेवा में वह सिद्धहस्त थी, पर रोगी उनसे इतना  
भय खाता कि कोई यम से भी क्या डरेगा! पथ्य या नियम  
का लेशमात्र भी उल्लंघन होने पर उनका क्रोशानल रोगी  
को रोग के ताप की अपेक्षा कहीं अधिक उत्पन्न कर डालता  
था।

यह दीर्घकृति कठिन स्वभाव विधवा गाँव के मस्तक पर  
विधाता के कठोर नियम-दंड की भाँति सदा उद्यत रहती  
थीं। किसी को भी यह साहस नहीं हो सकता था कि वह  
उन्हें प्यार करें अथवा उनकी अवहेलना करें।

विधवा निसंतान थीं। उनके घर में उनके दो मातृ-पितृहीन  
भतीजे पाले-पोसे जा रहे थे। यह तो कोई नहीं कह सकता  
था कि पुरुष अभिभावक के अभाव में इन बालकों पर  
किसी प्रकार का शासन नहीं था अथवा स्नेहानुभूति-माँ  
के लाड़ दुलार के कारण वे बिगड़े जा रहे थे। बड़ा भतीजा  
अठारह वर्ष का हो गया था। अब तक उसके विवाह के  
प्रस्ताव भी



आने लगे थे। परिणय बंधन के सम्बन्ध में उस बालक का अपना चित्त भी कोई उदासीन नहीं था। परन्तु फूफी-माँ ने उनकी इस सुख-वासना को एक दिन के लिए भी कोई प्रश्रय नहीं दिया। वह कठिन हृदयतापूर्वक कहती कि नलिन पहले उपार्जन करना आरम्भ कर ले तो पीछे घर में बहू लाएगा। फूफी माँ-के मुख से निकले इस कठोर वाक्य से पड़ोसीनों के हृदय विदीर्ण हो जाते।

ठाकुरबाड़ी जयकाली का सबसे अधिक प्यारा धन था। उसके लिए उनके यत्रों का कोई अंत न था। ठाकुरजी के सेवन, मज्जन, अशन-वसन-शयन आदि में तिल-भर त्रुटि भी कदापि नहीं हो सकती थी। पूजा कार्य में नियुक्त दोनों ब्रह्माण देवता की अपेक्षा इस एक मानवी ठाकुरानी से कहीं अधिक भयभीत रहते थे। पहले एक समय ऐसा भी था कि देवता के नाम पर उत्सर्ग किया हुआ पूरा नैवेद्य देवता को मिल नहीं पाता था। परन्तु जयकाली के शासनकाल में पुजापे के शत-प्रतिशत अंश ठाकुरजी के भोग में ही लगते थे।

विधवा के यत्र से ठाकुरबाड़ी का प्रांगण स्वच्छता के मारे चमचमाता रहता था। कहीं एक तिनका तक भी पड़ा नहीं पाया जा सकता था। एक पार्श्व में मंच का अवलंबन करके माधवी-लता का वितान फैला था। उसके किसी शुष्क पत्र के झरते ही जयकाली उसे उठाकर बाहर डाल आती थी। ठाकुरबाड़ी की परम्परागत परिपाटी से परखी जाने वाली परिच्छत्रता एवं पवित्रता में रंच मात्र का व्याघात भी विधवा के लिए नितांत असहनीय था। पहले तो टोले के लड़के लुका-छिपी खेलने के उपलक्ष्य में इस प्रांगण में प्रवेश करके इसके लिए प्रांतभाग में आश्रय ग्रहण किया करते थे और कभी-कभी टोले की बकरियों के पठरु भी पैठ कर माधवी लता के वत्कलांश का थोड़ा-बहुत भक्षण कर जाया करते थे। परन्तु जयकाली के काल में न तो लड़को को वह सुयोग मिल पाता और न छागल-शिशुओं को ही। पर्व-दिवसों के अतिरिक्त कभी भी बालको को मन्दिर के प्रांगण में प्रवेश का अवसर नहीं मिल पाता था और छागल-शिशु भी दंड-प्रहार का आघात मात्र खाकर सिंहदरार के पास से ही तीव्र स्वरो में अपनी अजा-जननी का आहान करते हुए लौट जाने को विवश हो जाते थे। परम आत्मीय व्यक्ति भी यदि अनाचारी हो तो देवालय के प्रांगण में प्रवेश करने के अधिकार से सर्वथा वंचित

रहना पड़ता था। जयकाली के एक बावरी-एक-पक्क-कुकुर-मांस-लोलुप-भगिनी-पति महोदय आत्मीय संदर्शन के उपलक्ष्य में ग्राम में उपस्थिति होकर मंदिर के प्रांगण में प्रवेश का उपक्रम कर रहे थे कि जयकाली ने शीघ्रता पूर्वक तीव्र आपूर्ति प्रकट की थी जिसके कारण उनके लिए अपनी सहोदरा भगिनी तक से संबंध विच्छेद तक की संभावना उपस्थित हो गई थी। इस देवालय के संबंध में विधवा को इतनी अतिरिक्त एवं अनावश्यक सर्तकता थी कि सर्वसाधारण के निकट तो वह बहुत कुछ आडबंद सी प्रतीत होती थी।

अन्यत्र तो जयकाली सर्वत्र ही कठिन कठोर थी, उन्नत मस्तक थी, स्वतंत्र निर्बन्ध थी। परन्तु केवल इस मंदिर के सम्मुख उन्होंने सम्पूर्ण रूप से आत्मसमर्पण कर दिया था। मंदिर में प्रतिष्ठित विग्रह के प्रति वह एकांत भाव से जननी, पत्नी, दासी आदि सब कुछ थीं। उनके संबंध में वे सदैव सर्तक, सुकोमल, सुंदर एवं संपूर्णतः अवनम्र थीं। प्रस्तर-निर्मित यह मंदिर तथा इसमें प्रतिष्ठित प्रस्तर-प्रतिमा ये दो वस्तुएँ ही ऐसी थीं, जो उनके निगूढ़ नारी-स्वाभाव की एकमात्र चरितार्थक के विषय थीं। यही दो वस्तुएँ उनके स्वामी और पुत्र के स्थान पर थीं। यही दो उनका समस्त थीं।

इसी के पाठक समझ लें कि जिस बालक ने मंदिर-प्रांगण से माधवी-मंजरी का आहरण करने की प्रतिज्ञा की थी। उनका साहस भी असीम रहा होगा। वह बालक और कोई नहीं। जयकाली का भ्रातृपुत्र नलिन था। वह अपनी फूफी-माँ को बड़ी भली तरह जानता था, तथापि उसकी दुर्दांत प्रकृति किसी प्रकार के भी शासन के वसवर्ती नहीं होती थी। जहाँ कहीं भी विपत्त की संभावना होती, वहाँ उसे एक विचित्र आकर्षण महसूस होता और जहाँ कहीं भी शासन या प्रतिबंध होता, वहाँ उल्लंघन करने के लिए चित चंचल हो उठता। अनुश्रुति है कि अपने बाल्य काल में उसकी फूफी-माँ का स्वभाव भी ठीक ऐसा ही था। उस समय जयकाली मातृ-स्नेह मिश्रित भक्ति पूर्वक ठाकुरजी पर अपनी दृष्टि निबद्ध किए दालान में बैठी अनन्य अभिनिविष्ट मन से माला जप रही थीं।



बालक पीछे से अशब्द-पदसंचारपूर्वक आकर माधवी-लता वितान तले खड़ा हो गया। उसने देखा कि निम्नतर शाखाओं के फूल तो पूजा के निमित्त तोड़े जाकर निःशेष हो चुके थे। गत्यंतर न देख उसने अत्यंत धीरे-धीरे और बहुत ही सावधानीपूर्वक लता मंच पर आरोहण किया। उच्चतर प्रशाखों पर विकचोन्मुख कलिकाएँ देखकर उन्हें तोड़ने के लिए ज्यों ही उनसे अपने शरीर एवं बाहु को प्रसारित किया, त्योंही उस प्रबल प्रयास के भार से माधवी-लता का जीर्ण मंच चरम शब्दपूर्वक टूट पड़ा। मंचाश्रित लता एवं बालक दोनों एकत्र ही भूमिसात् हुए।

जयकाली हड़बडाकर दौड़ी आई। उन्होंने अपने भ्रातृपुत्र की कीर्ति का अवलोकन किया। बलपूर्वक उसकी भुजा पकड़ के उसे मिट्टी से उठाया। आघात तो उसे यथेष्ट लगा था, किंतु उस आघात को दंड नहीं माना जा सकता था, क्योंकि वह तो ज्ञान-संज्ञाहीन जड़ का आघात था। अतएव मंचपतित बालक की व्यथित देह पर जयकाली का ज्ञान संज्ञायुक्त शासन दंड मुहुर्मुहः बलपूर्वक वर्षित होने लगा। बालक ने बिन्दु मात्र भी अश्रुपात किए बिना ही उनके दंड को नीरवतापूर्वक सहन किया। इस पर उसकी फूफी माँ ने उसे घसीटकर घर में अवरुद्ध कर दिया। उसके उस दिन के सायंकालिक आहार का निषेध कर दिया गया।

आहार-निषेध का समाचार सुनकर दासी मोक्षदा ने कातर कंठ एवं जल-छलछल नेत्र से बालक को क्षमादान करने का अनुरोध किया। परंतु जयकाली का हृदय विगलित नहीं हुआ। उस घर में ऐसा दुःसाहसी व्यक्ति कोई नहीं था, जो ठकुरानी को सूचना-वंचित रखकर गुप्त रूप से उस क्षुधित बालक के लिए खाद्य की व्यवस्था कर देता।

विधवा माधवी-मंच के पुनः संस्कार के लिए श्रमिक बुलाने के आदेश देकर पुनर्वार माला लेकर दालान में आ बैठी। कुछ समय व्यतीत होने के पश्चात् मोक्षदा अत्यंत भयभीत भाव से उनके निकट गई और बोली, "ठकुरानी माँ, छोटे बाबू भूख के मारे बिलख रहे हैं, उन्हें थोड़ा सा दूध ला दूँ।"

जयकाली ने अविचलित मुख-मुद्रा से कहा, "नहीं!"

मोक्षदा लौट गई। अदूरवर्ती कुटीर-गृह ने नलिन का करुण कंदन क्रम-क्रम से बढ़ता हुआ क्रोध के गर्जन के रूप में परिणत हो उठा-पर गर्जन-पर्व भी समाप्त हुआ और अंत में, बहुत देर के पश्चात् उसकी कातरता का परिश्रांत उच्चवास रह-रहकर जप-निरता फूफी माँ के कर्ण-कुहरों में पहुँच-पहुँचकर ध्वनित होने लगा।

नलिन का आर्त कंठ परिश्रांत एवं मौनप्राय हो चला था कि किसी और निकटवर्ती जीव की भीत एवं कातर ध्वनि कर्ण-गोचर होने लगी तथा उसके संग-संग ही धावमान मनुष्यों का दूरवर्ती चीत्कार शब्द उसके साथ मिश्रित होकर मंदिर के सम्मुखवर्ती मार्ग पर एक कोलाहल के रूप में उत्थित हो उठा।

सहसा मंदिर प्रागण में कोई पद-शब्द सुनाई पड़ा पीछे मुड़कर जयकाली ने देखा कि भूपर्यस्त माधवी-लता आंदोलित हो रही है।

रोषपूर्ण कंठ से पुकारा, जलिन!

कोई उत्तर नहीं मिला। जयकाली ने समझा कि दुर्दम नलिन किसी उपाय से बंदीशाला से पलायन करके मुझे चिढ़ाने आया है।

यही सोचकर वह अत्यन्त कठिन मुद्रा बनाकर एवं अथर के ऊपर ओष्ठ का अत्यंत कठिन रूप से दाबकर प्रागण में उतर आई।



लता-कुज के निकट आकर पुनर्वाट पुकारा, नलिन!  
उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। उन्होंने माधवी की शाखा को उठाकर  
देखा कि एक अत्यंत ही मलिन-शूकर ने प्राण-भय से भीत  
होकर घन-पल्लव के अंतराल में आश्रय लिया है।

जो लता वितान इष्टक-निर्मित प्राचीर से परिवेष्टित उस  
प्रागण में वृद्धा-विपिन का संक्षिप्त प्रतिरूप हो, जिसकी  
विकसित कुसुम-मंजरी का सौरभ गोपिता-वंद के सुरभित  
निःश्वास का स्मरण कराता रहता हो एवं कालिंदी-तीरवर्ती  
सुख-विहार के सौंदर्य-स्वप्न को जाग्रत करता रहता हो, वि-  
त्ता जय काली की उस प्राणधिक यत्रों से ललित सुपवित्र  
नंदन-भूमि में अकरमात् यह कैसा वीभत्स कांड घटित हो  
गया।

पुजारी ब्राह्मण लाठी लेकर उस मल-मलिन पशु को भग-  
वाने दौड़ा।

जयकाली तत्क्षण नीचे उतर आई, पुजारी के शूकर-ताड़  
का कर्म निषेध किया एवं भीतर से मंदिर प्रागण का द्वार  
अवरुद्ध कर दिया।

अनिति काल अविवाहित होने के पश्चात् सुरा-पान डा-  
म-दल के द्वार पर उपस्थिति होकर बलि-पशु के लिए  
चित्कार करने लगा।

रुद्ध द्वार के पीछे खड़ी होकर जयकाली ने कहा, लौट  
जाओ बेटो, लौट जाओ। मेरे मंदिर को अपवित्र मत कर  
बैठना।

डोमों का दल लौट गया। वे प्रायः प्रत्यक्ष देखकर भी इस  
बात पर विश्वास नहीं कर सके कि जयकाली ठकुरानी  
अपने राधानाम जी के मंदिर में उस अशुचि जंतु को  
आश्रय दे सकती है।

## रविन्द्रनाथ टैगोर



## शक्ति और क्षमा

क्षमा, दया, तप, त्याग, मनोबल  
सबका लिया सहारा,  
पर नर-व्याघ्र सुयोधन तुमसे  
कहो, कहा, कब हारा।

क्षमाशील हो रिपु समक्ष  
तुम हुए विनत जितना ही,  
द्रुष्ट कौरवों ने तुमको  
कायर समझा उतना ही।

क्षमा शोभती उस भुजंग को  
जिसके पास गरल हो,  
उसका क्या जो दंतहीन  
विषहीन, विनीत, सरल हो।

तीन दिवस तक पंथ मांगते  
रघुपति सिंधु किनारे,  
बैठे पढते रहे छंद  
अनुनय के प्यारे-प्यारे  
उत्तर में जब एक नाद भी  
उठा नहीं सागर से,  
उठी धधक अधीर पौरुष की  
आग राम के शर से।

सिंधु देह धर त्राहि-त्राहि  
कहता आ गिरा चरण में,

चरण पूज, दासता ग्रहण की  
बंधा मूढ़ बंधन में।

सच पूछो तो शर में ही  
बसती है दीप्ति विनय की,  
साँधि-वचन संपूज्य उसी का,  
जिस के शक्ति विजय की।

सहनशीलता, क्षमा, दया को  
तभी पूजता जग है,  
बल का दर्प चमकता उसके  
पीछे जब जगमग है।



रामधारी सिंह दिनकर



# माँ तुम्हारी याद आती है

सो जाता था माँ तुम्हारी गोद में सीमट कर  
पर आज मैले कम्बल के आगोस में सो जाते है  
तुम उठाती थी मेरे बालो को सहला के  
पर आज ये अनजानी अवाजे मुझे जगाती है  
तब माँ मुझे तुम्हारी याद आती है

जब भूख मुझे सताती है  
तेरे हाथो कि रोटी याद आती है  
खिलाती थी तुम रोटी बनाकर अपने हाथो से  
आज खाते है पेटभर तो कभी भूख अधुरी रह जाती है  
तब माँ मुझे तुम्हारी याद आती है

तैयार होकर जाते थे स्कूल राज कुमारो से  
हर रोज नई पोशाक माँ सील के हमे पहनाती थी  
माँ के हाथ की वो कमीज आज भी मुझे याद आती है  
दीखावो से बुनी हुई से पोशाक मेरे तन को जब सताती है  
तब माँ मुझे तुम्हारी याद आती है

वो भी वक्त था एक रुपया बड़ा हथेली मे निकल जाता था  
उस अनमोल सिक्के से सारी दुनिया मुट्ठी मे समेट लाता था।  
आज जेबो मे कुछ रंगीन कागजो की भीड़ सी नजर आती है  
जब चंद पैसो मे उस सीक्के की अमीरी धुंधली हो जाती है  
तब माँ मुझे तुम्हारी याद आती है।

पास रह कर तुमको समझ न सका,  
दूर रह कर तुम्हारी अहमीयत समझ आती है।  
माँ सब है मेरे पास पर तुम्हारी कमी दिल को सताती है  
माँ यशु को तुम्हारी बहुत याद आती है



कवि: यशु गर्ग  
डिजाइन : गीता नेगी



# Construction Updates

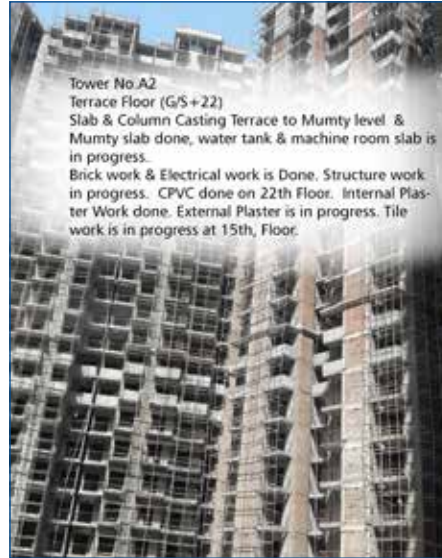
1st April 2017

A1



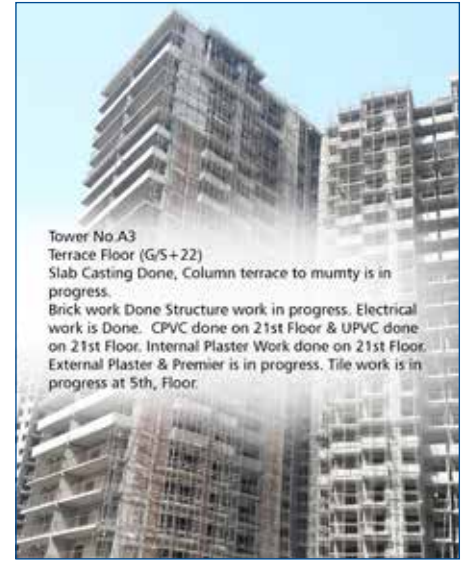
Tower No.A1  
Terrace Floor (G/S+22)  
Mummy Slab, Water tank & Parapet Wall casting done, machine room done.  
Brick work & Electrical work, Internal Plaster Work Done. Structure work in progress. CPVC done on 22nd Floor done. External plaster & Whitewash is in progress. Tile work is in progress at 6th 13th Floor.

A2



Tower No A2  
Terrace Floor (G/S+22)  
Slab & Column Casting Terrace to Mumty level & Mumty slab done, water tank & machine room slab is in progress.  
Brick work & Electrical work is Done. Structure work in progress. CPVC done on 22th Floor. Internal Plaster Work done. External Plaster is in progress. Tile work is in progress at 15th, Floor.

A3



Tower No A3  
Terrace Floor (G/S+22)  
Slab Casting Done, Column terrace to mumty is in progress.  
Brick work Done Structure work in progress. Electrical work is Done. CPVC done on 21st Floor & UPVC done on 21st Floor. Internal Plaster Work done on 21st Floor. External Plaster & Premier is in progress. Tile work is in progress at 5th, Floor.

A4



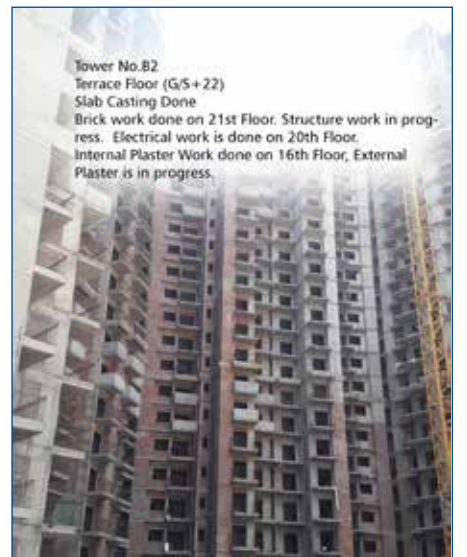
Tower No.A4  
Terrace Floor (G/S+22)  
Slab & Parapet Wall casting Done, Column terrace to mumty is in progress.  
Brick work Done. Structure work in progress. Electrical work is done. CPVC done on 22ndFloor. UPVC done on 4th Floor. Internal Plaster Work done on 22nd Floor. External Plaster is in progress.

B1



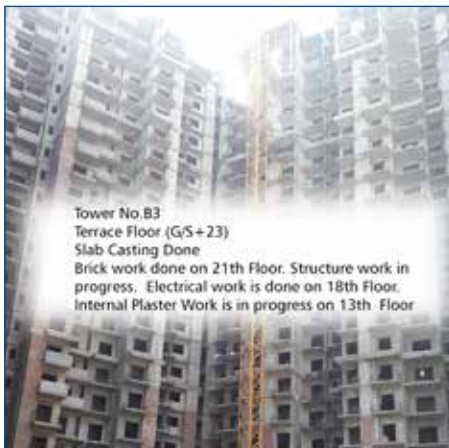
Tower No.B1  
Terrace Floor (G/S+22)  
Slab Casting Done  
Brick work done on 21st Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 20th Floor. Internal Plaster Work done on 19th Floor. External Plaster is in progress

B2



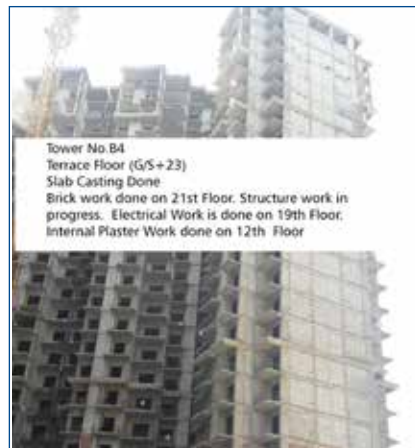
Tower No.B2  
Terrace Floor (G/S+22)  
Slab Casting Done  
Brick work done on 21st Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 20th Floor. Internal Plaster Work done on 16th Floor, External Plaster is in progress.

B3



Tower No.B3  
Terrace Floor (G/S+23)  
Slab Casting Done  
Brick work done on 21th Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 18th Floor. Internal Plaster Work is in progress on 13th Floor

B4



Tower No.B4  
Terrace Floor (G/S+23)  
Slab Casting Done  
Brick work done on 21st Floor. Structure work in progress. Electrical Work is done on 19th Floor. Internal Plaster Work done on 12th Floor

B5



Tower No.B5  
Terrace Floor (G/S+23)  
level slab is in progress  
Brick work done on 21th Floor  
Structure work in progress. Electrical work done on 15th Floor. Internal Plaster Work is in progress on 9th Floor

B6



Tower No B6  
Terrace Floor (G/S+22)  
Slab Casting Done, mummy slab is in progress.  
Brick work done on 22nd Floor. Structure work in progress. Electrical work done on 18th Floor. Internal Plaster Work done on 12th Floor





Dated: - 01/03/2017

## TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

### Subject: Project Status Palace Heights

- This is to certify to best of our knowledge that the below mentioned construction status of Project "Palace Heights" at "GH-02B, Sec 1, Greater Noida West" by "Rudra Buildwell Projects Pvt Ltd", holds true as on the date of this document. Latest site images of the respective towers are attached with this document as "Annexure I"

Tower No.	Construction Status	Remarks
A1	Terrace Floor (G/S+22) Mumty Slab, Water tank & Parapet Wall casting done, machine room terrace is in progress.	Brick work & Electrical work, Internal Plaster Work Done. Structure work in progress. CPVC done on 22 <sup>nd</sup> Floor done. External plaster & Whitewash is in progress. Tile work is in progress at 6 <sup>th</sup> & 17 <sup>th</sup> , 18 <sup>th</sup> & 19 <sup>th</sup> Floor.
A2	Terrace Floor (G/S+22) Slab & Column Casting Terrace to Mumty level & Mumty slab done.	Brick work & Electrical work is Done. Structure work in progress. CPVC done on 22 <sup>th</sup> Floor. Internal Plaster Work done. External Plaster is in progress. Tile work is in progress at 12 <sup>th</sup> Floor.
A3	Terrace Floor (G/S+22) Slab Casting Done, Column terrace to mumty is in progress.	Brick work Done Structure work in progress. Electrical work is Done. CPVC done on 21 <sup>st</sup> Floor & UPVC done on 21 <sup>st</sup> Floor. Internal Plaster Work done on 21 <sup>st</sup> Floor. External Plaster & Premier is in progress.
A4	Terrace Floor (G/S+22) Slab & Parapet Wall casting Done.	Brick work Done. Structure work in progress. Electrical work is done. CPVC done on 22 <sup>nd</sup> Floor. UPVC done on 4 <sup>th</sup> Floor. Internal Plaster Work is in progress on 22 <sup>nd</sup> Floor. External Plaster is in progress.
B1	Terrace Floor (G/S+22) Slab Casting Done	Brick work done on 21 <sup>st</sup> Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 20 <sup>th</sup> Floor. Internal Plaster Work done on 17 <sup>th</sup> Floor. External Plaster is in progress
B2	Terrace Floor (G/S+22) Slab Casting Done	Brick work done on 21 <sup>st</sup> Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 20 <sup>th</sup> Floor. Internal Plaster Work done on 14 <sup>th</sup> Floor, External Plaster is in progress.
B3	Terrace Floor (G/S+23) Slab Casting Done	Brick work done on 21 <sup>th</sup> Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 16 <sup>th</sup> Floor. Internal Plaster Work is in progress on 10 <sup>th</sup> Floor
B4	Terrace Floor (G/S+23) Slab Casting Done	Brick work done on 21 <sup>st</sup> Floor. Structure work in progress. Electrical Work is done on 16 <sup>th</sup> Floor. Internal Plaster Work done on 10 <sup>th</sup> Floor
B5	Terrace level slab is in progress (G/S+23)	Brick work done on 20 <sup>th</sup> Floor Structure work in progress. Electrical work done on 13 <sup>th</sup> Floor. Internal Plaster Work is in progress on 6 <sup>th</sup> Floor
B6	Terrace Floor (G/S+22) Slab Casting Done	Brick work done on 22 <sup>nd</sup> Floor. Structure work in progress. Electrical work done on 15 <sup>th</sup> Floor. Internal Plaster Work done on 11 <sup>th</sup> Floor
	Non Tower	Ground Floor slab casting done (part-6) & Upper Basement slab casting done & Retaining wall & G. Floor shuttering is in progress (part-4,5), & Club Raft Casting is in done (Club) & STP excavation done & raft is in progress

Please refer sanction plans

M/s Deepak Mehta & Associates

*(Signature)*  
 Architect Deepak Mehta  
 COA/27/10840  
 Deepak Mehta  
 (Architect)



# Construction Updates



1st April 2017

T3



T4



T5



T6



T7



T8



T9



T10



T11



T18





ARCHITECT



BHATNAGAR  
AND  
ASSOCIATES

Dated: 01/03/2017

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

**Subject: Project status AQUA CASA**

This is to certify to best of our knowledge that the below mentioned construction status of Project "AQUA CASA" at "GH - 05A, "Sector - 16, Greater Noida West" by "Rudra Buildwell Homes Pvt Limited", holds true as on the date of this document. Latest site Images of the respective towers are attached with this document as "Annexure I".

Tower No.	Construction status	Remarks
T - 3	4 <sup>th</sup> Floor slab done & 4 <sup>th</sup> to 5 <sup>th</sup> floor column steel binding is in progress	Structure work is in progress
T - 4	18 <sup>th</sup> Floor Slab is in progress	Brick work on 15 <sup>th</sup> Floor & Internal plaster at 7 <sup>th</sup> floor, Electrical work at 8 <sup>th</sup> floor Balcony railing at 12 <sup>th</sup> floor, structure work is in progress.
T - 5	18 <sup>th</sup> Floor Slab is in progress	Brick work is in progress on 15 <sup>th</sup> Floor & internal plaster is in progress at 2 <sup>nd</sup> floor, Balcony railing at 12 <sup>th</sup> floor, Structure work, Electrical work in progress.
T - 6	15 <sup>th</sup> Floor Slab done	Brick work is in progress on 13 <sup>th</sup> Floor & internal plaster is in progress at 3 <sup>rd</sup> floor Structure work, Electrical work in progress.
T - 7	Terrace is in progress	Brick work is in progress on 18 <sup>th</sup> Floor & internal plaster is in progress at 5 <sup>th</sup> floor Structure work, Electrical work in progress.
T - 8	20 <sup>th</sup> Floor Slab shuttering done and slab steel binding is in progress.	Brick work is in progress on 16 <sup>th</sup> Floor Structure, Electrical work in progress.
T - 9	18 <sup>th</sup> Floor slab shuttering & steel binding is in progress	Brick work is in progress on 14 <sup>th</sup> Floor Structure, Electrical work in progress.
T - 10	6 <sup>th</sup> Floor slab shuttering & steel binding is in progress	Structure work is in progress.
T - 11	4 <sup>th</sup> Floor Slab done & 4 <sup>th</sup> to 5 <sup>th</sup> Floor column casting done	Structure work is in progress.
T - 18	5 <sup>th</sup> floor slab casting is in progress	Structure work is in progress.

BHATNAGAR AND ASSOCIATES

A-2 FLAT NO. C-4  
CHATTARPUR ENCLAVE,  
PHASE-II, NEW DELHI-110068

M/s Bhatnagar and Associates  
Ashish Bhatnagar  
(Architect)

Redg. Off. : A-2, Flat No. C-4, Chattarpur Enclave, Phase -II, New Delhi - 68

Branch Off. : D-64, First Floor, Chattarpur Enclave, Phase -I, New Delhi - 74

Phone no : +91-011-263038398, Mob : +91-9811672382, 9891056495

E-mail : [ar.ashishbhatnagar@gmail.com](mailto:ar.ashishbhatnagar@gmail.com), [ar.bhatnagar.associates@gmail.com](mailto:ar.bhatnagar.associates@gmail.com)



RUDRA



SECTOR-150, NOIDA

# Construction Updates

1st April 2017





# RERA UPDATES



## Real Estate (Regulation & Development) Act, 2016

### INTRODUCTION

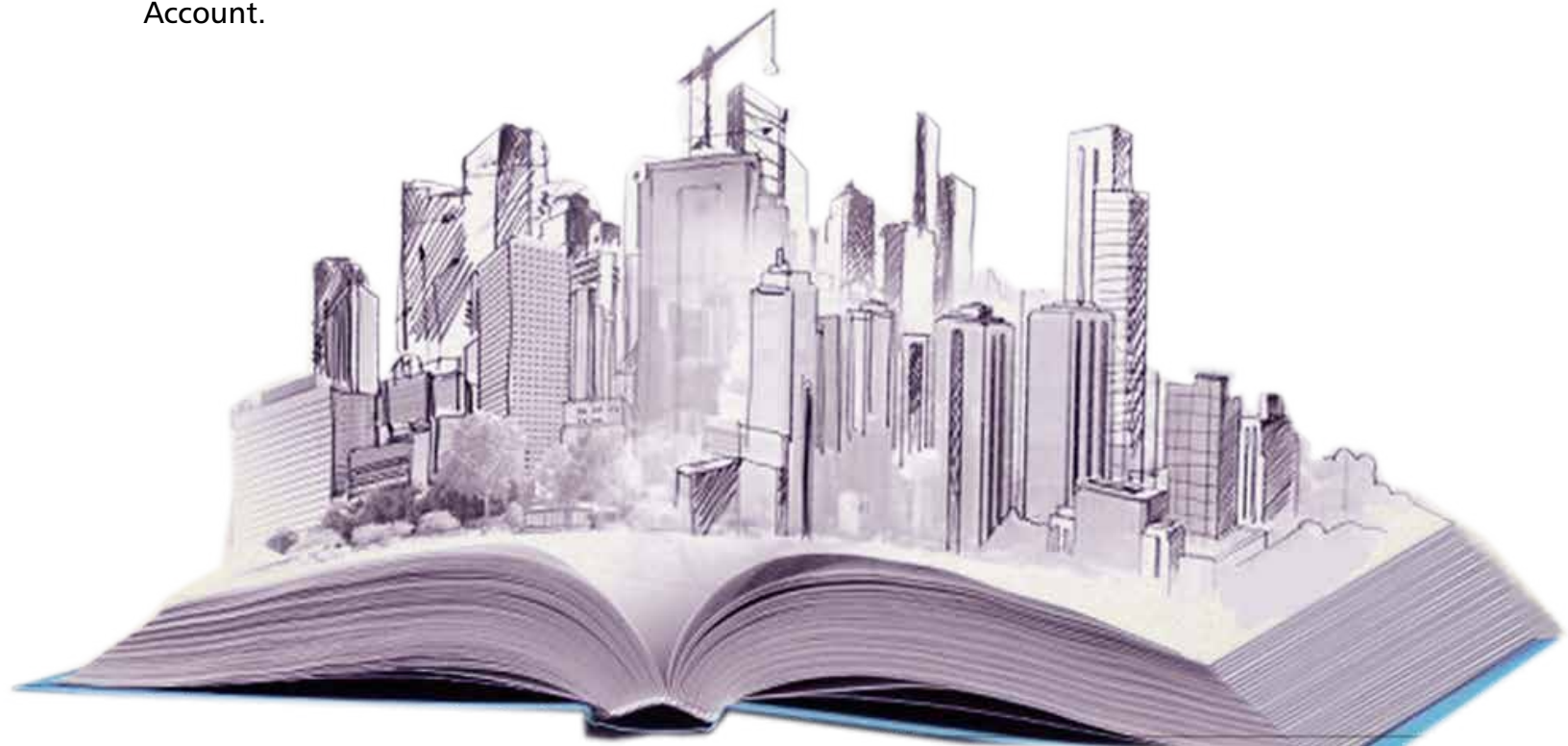
- **The Real Estate (Regulation and Development) Act, 2016** is an Act of the Parliament of India which seeks to protect home-buyers as well as help boost investments in the real estate industry.
- The bill was passed by the Rajya Sabha on 10th March, 2016 and by the Lok Sabha on 15 March 2016.
- The Act came into force from 1 May 2016 with 69 of 92 sections notified.
- The Central and state governments are liable to notify the Rules under the Act within a statutory period of six months.
- Applicable to whole of India except Jammu and Kashmir
- Real estate regulatory authority (RERA) is the governing authority.
- The law is not Retrospective.

### PURPOSE

- An Act to establish the Real Estate Regulatory Authority for regulation and promotion of the Real Estate sector.
- To ensure transparency in projects.
- To protect the interest of consumers in the Real Estate Sector and to establish an adjudicating mechanism for speedy dispute redressal.
- To provide proper information about the builder.

## SALIENT FEATURES

- It establishes the State Real Estate Regulatory Authority for that particular state as the government body to be approached for redressal of grievances against any builder. This will happen once every state ratifies this Act and establishes a state authority on the lines set up in the law.
- This law vests authority on the real estate regulator to govern both residential and commercial real estate transactions.
- This law makes it mandatory for developers to post all information on issues such as project plan, layout, government approvals, land title status, sub-contractors to the project, schedule for completion with the State Real Estate Regulatory Authority (RERA) and then in effect pass this information on to the consumers.
- The current practice of selling on the basis of ambiguous super built-up area for a real estate project will come to a stop as this law makes it illegal. Carpet area has been clearly defined in the law.
- The maximum jail term for a developer who violates the order of the appellate tribunal of the RERA is three years with or without a fine.
- Currently, if a project is delayed, then the developer does not suffer in any way. Now, the law ensures that any delay in project completion will make the developer liable to pay the same interest as the EMI being paid by the consumer to the bank back to the consumer
- The developer cannot make any changes to the plan that had been sold without the written consent of the buyer.
- This puts paid to a common and unpopular practice by developers to increase the cost of projects.
- Lastly, every project measuring more than 500 square metres or more than eight apartments will have to be registered with the RERA.
- The law mandates every builder to keep 70% of collection from every project in Separate Bank Account.





## MAJOR PROVISIONS

The Major Provisions in the Act relates to following aspects:-

- Registration
- Protection Of Buyers
- Real Estate Regulatory Authority And Appellate Tribunal

## REGISTRATION

### Who is liable to get Registration from RERA?

All commercial real estate projects where the land is over 500 square metres.

All residential real estate projects where the land is over 500 square meters or eight apartments, to register with the Real Estate Regulatory Authority (RERA) for launching a project.

For on-going projects which have not received completion certificate on the date of commencement of the Act, will have to seek

registration within 3 months.

Real estate agents who facilitate selling or purchase of properties must take prior registration from RERA.

Such agents will be issued a single registration number for each State or Union Territory, which must be quoted by the agent in every sale facilitated by him.

# What is the Process of Registration?

Applicant has to file an application for registration with RERA in prescribed form along with prescribed fees and documents.

Application for registration must be either approved or rejected within a period of 30 days from the date of application by the RERA.

On successful registration, the promoter of the project will be provided with a registration number, a login id and password for the applicants to fill up essential details on the website of the RERA.

## What is the Penalty for failure to get Register?

**A penalty of up to 10 percent of the project cost or three years' imprisonment may be imposed.**

### 1. Time limit for registration

- ① For ongoing Projects – 3 months from commencement of this Act
- ② For new projects - 30 days

### 2. Exceptions

- ① Area of land < 500 Sq. Meters
- ② No. Of apartments < 8
- ③ In case of Renovation/ Repair/Re-development

### 3. Revocation

- ① On complaint
  - ② Suo moto
- Where promoters makes default or violates any terms or conditions of the approval or promoters involved in any kind of unfair practice.



#### 4. Consequence

- 1 Debar the promoters from accessing the its website in relation to that project
- 2 Specifying his name in list of defaulters
- 3 Display his photograph on its website and inform the other RERA.
- 4 Direct the bank to freeze the account



- The Act prohibits unaccounted money from being pumped into the sector.
- As now, 70 per cent of the money has to be deposited in bank accounts through cheques.
- A major benefit for consumers included in the Act is that builders will have to quote prices based on carpet area and not super built-up area
- Carpet area has been clearly defined in the Act to include usable spaces like kitchen and toilets.



## REAL ESTATE REGULATORY AUTHORITY AND APPELLATE TRIBUNAL

- Establishment of State-level Real Estate Regulatory Authorities (RERAs) to regulate transactions related to both residential and commercial projects
- RERAs will ensure timely completion and handover of projects.
- Appellate Tribunals will now be required to adjudicate cases in 60 days as against the earlier provision of 90 days
- Regulatory Authorities has to dispose of complaints in 60 days while no time frame was indicated in earlier Bill.





# HITS AND MISSES OF REAL ESTATE ACT



## HITS

- Increased assertion on the timely completion of projects and delivery to the consumer.
- A step towards safeguarding their investment, as 70 per cent of the sales receipt will now be locked in an escrow account.
- An increase in the quality of construction due to a defect liability period of five years.
- Balanced builder-buyer agreements.
- Faster dispute resolution mechanism through dispute settlement forums and appellate tribunal.
- Sale on the carpet area to help improve transparency.
- An increasingly-regulated broker environment.
- Greater visibility into the developer's delivery track record.

## MISSES

- The timelines of approvals by regulatory authorities have not been defined. Any delay in approvals from regulatory authorities could impact buyers as well.
- The Bill may lead to slightly higher prices of properties due to the reduced competition.
- New project launches might be limited as developers may not be able to launch without obtaining approvals, which could take two to three years.



# For Developers



## HITS

- Increased scope for eliminating casual operators, leading to the better organization of the sector.
- Minimum standards of governance and accountability have now been set to an extent, and there's potential for driving standardization and professionalism in the sector.
- Greater visibility into the developers' delivery performances, segregating the established and casual operators.
- Higher investment in the sector and a possible reduction in the cost of funds, leading to a lowered cost for the end users.

## MISSES

- An additional layer of approvals may be introduced against the extended list of approvals already required for projects.
- No provision to rationalize the number of approvals required for a project or expedite approvals through a single window mechanism.
- Increased reliance on external capital to achieve high growth.
- Possible impact on joint venture arrangements.
- Potential delay in cash-flow realizations from projects.





# PF Admin Charges Reduced 01/04/2017 0.85% to 0.65% w.e.f 01/04/2017

Compiled by  
Neena Narang

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 742]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 15, 2017/फाल्गुन 24, 1938

No. 742]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 15, 2017/PHALGUNA 24, 1938

श्रम और रोजगार मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2017

का.आ. 827(अ).—केंद्र 'य' सरकार, कर्मचारों भांके य निधि योजना, 1952 के पैरा 39 के साथ पाठित पैरा 30 के संशोधन द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 2 फरवरी, 2015 को भारत के श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 323(अ), तारीख 2 फरवरी, 2015 को, उन बातों के सिवाय अधीकृत करते हुए जिन्हें ऐसे अधीकरण से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, केंद्र 'य' बांड से परामर्श करने के बाद, कर्मचारों भांके य निधि के सामान्य प्रशासनिक व्ययों को पूरा करने के लिए उपलब्ध ससाधना का ध्यान में रखते हुए नियोजक द्वारा उक्त कौम के पैरा 30 और पैरा 38 के उप पैरा (1) के प्रयोजन के लिए तारीख 1 अप्रैल 2017 से सदैव प्रशासनिक प्रभारों को प्रत्येक अप्रत्यकारीस थापन, जिसका बांड अशुद्धाधिक सक्षय नहीं है, के लिए प्रातिमास के लिए पञ्चहत्तर रुपए को न्यूनतम राशि और अन्यस थापनों के लिए प्रातिमास पांच सौ रुपए प्रातिमास को न्यूनतम राशि के अधीन रहते हुए, वेतन के 0.65 प्रातिशत (शून्य दशमलव पेंसठ प्रातिशत) जैसा कि उक्त पैराओं में निर्दिष्ट किया गया है, नियत करती है।

2. शंकाओं को दूर करने के लिए, यह अधिसूचित किया जाता है कि इस अधिसूचना में अंतर्भूत किसी बात का 31 मार्च, 2017, उस तारीख को सम्मिलित करते हुए, उस अधीधे की बावत सदैव प्रशासनिक प्रभारों जिनके लिए पैरा 1 में निर्दिष्ट अधिसूचना उसी तरह लागू रहेगी माना उसका अधीकरण नहीं किया गया था।

[फा. स. एस-35012/01/2014-एसएस-II]

आर.क.गुप्ता, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

## NOTIFICATION

New Delhi, the 15th March, 2017

**S.O. 827(E).**—In exercise of the powers conferred by the Explanation to paragraph 30 read with paragraph 39 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Employment published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), vide number S.O. 323(E), dated the 2<sup>nd</sup> February, 2015, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, after consulting the Central Board and having regard to the resources of the Employees' Provident Fund available for meeting its normal administrative expenses, hereby fixes the administrative charges payable by the employer for the purposes of paragraph 30 and sub-paragraph (1) of paragraph 38 of the said Scheme with effect from 1<sup>st</sup> April, 2017 at 0.65 per cent (zero point six five per cent.) of the pay as referred to in the said paragraphs subject to a minimum sum of seventy-five rupees per month for every non-functional establishment having no contributory member and five hundred rupees per month per establishment for other establishments.

2. For the removal of doubts, it is hereby notified that nothing contained in this notification shall affect the administrative charges payable in respect of the period up to and inclusive of the 31<sup>st</sup> March, 2017 in respect of which the notification referred to in paragraph 1 herein shall continue to apply as if the same had not been superseded.

[F. No. S-35012/01/2014-SS-II]

R. K. GUPTA, Jt. Secy.

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2017

**का.आ. 828(अ).**—वर्तमान सरकार, कर्मचारी भत्ता योजना अधिनियम और प्रकाण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) का धारा 6ग का उपधारा (4) क खड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करत हुए, और भारत क राजपत्र, असाधारण, भाग II, खड 3, उपखड (ii), तारीख 2 फरवरी, 2015 का भारत क श्रम और रोजगार मंत्रालय का अधिसूचना संख्या का.आ. 324(अ), तारीख 2 फरवरी, 2015 का, उन बातों क संवाय अधिकांत करत हुए जिन्हें स अधिक्रमण से पूर्व किया गया है या करन का लोप किया गया है, अवधारित किया जाता है, जो कर्मचारी जमा सहबद्ध बीमास कीम, 1976 क प्रशासन क सबंध म व्ययों का पूरा करन क लिए उक्त कीम क द्वारा या उसके अधिन दिए गए कोई अन्य लाभों की लागत क मद्द व्ययों से भिन्न, जमा सहबद्ध बीमा नीधि का प्रत्येक मास नियोजक द्वारा कोई रकम तत्समय सदाय क रूप म अपन कर्मचारी क सबंध म नियोजक द्वारा सदाय नहीं हागी।

2. शकाओ का दूर करन क लिए, यह अधिसूचित किया जाता है कि इस अधिसूचना म अंताक टाकिसा बात का 31 मार्च, 2017, उस तारीख का साम्मालत करत हुए, उस अबाध का बावत सदाय प्रशासनिक प्रभारा जिनक लिए परा 1 म नाई टा अधिसूचना उसी तरह लागू रहगा माना उसका अधिक्रमण नहीं किया गया था।

3. यह अधिसूचना 2017 क अप्रैल क प्रथम दिन का प्रवृत्त हागी।

[फा. सं. एस-35012/01/2014-एसएस-II]

आर.क.गुप्ता, संयुक्त सचिव



**NOTIFICATION**

New Delhi, the 15th March, 2017

**S.O. 828(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (4) of section 6C of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour and Employment published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), vide number S.O. 324(E), dated the 2<sup>nd</sup> February, 2015, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby determines that no sum shall be payable for the time being by the employer in relation to his employees as the further sum payable by the employer every month to the Deposit-Linked Insurance Fund for the meeting the expenses in connection with the administration of the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 other than the expenses towards the cost of any benefits provided by or under that scheme.

2. For the removal of doubts, it is hereby notified that nothing contained in this notification shall affect the administrative charges payable in respect of the period upto and inclusive of the 31<sup>st</sup> March, 2017 in respect of which the notification referred to in paragraph 1 herein shall continue to apply as if the same had not been superseded.

3. This notification shall come into force from 1<sup>st</sup> day of April, 2017.

[F. No. S-35012/01/2014-SS-II]

R. K. GUPTA, Jt. Secy.

# QUALITY ASSURANCE AND CONTROL IN CONSTRUCTION



## Construction QA/QC

Quality control during the construction process is extremely important in order to safeguard the value of the owner's investment. Process Technical Services QAQC personnel can perform checks and tests throughout the construction process, providing the project owner assurance that the project is being built according to specifications.

The first step in establishing the requirement for construction QAQC is to develop an overview of the entire quality program. A quality management plan is essential and the form of the construction organization needs to be established.

The responsibilities and authorities of the various principals in the construction QAQC organization need to be established. These include the Environmental Protection Agency (EPA), the project owner, the engineer of record, the construction manager, and the construction contractors. Included in this assignment of responsibilities is the Construction Manager's quality assurance personnel and the contractor's quality control personnel.

Contractors that are under consideration to perform the work must submit their construction QAQC plans for review and acceptance. The construction manager will maintain all submittal files via a combination of a secure document filing and storage system, and a computerized document tracking system.

General construction inspection and verification requirements include inspections, QC testing, QA testing, establishing construction acceptance criteria, construction audits, compliance with handling, storage, packaging, preservation, and delivery requirements, and material identification

and traceability.

Inspections will uncover construction deficiencies. These will need to be identified, reported and corrective and preventive action taken.

Document handling and retention procedures are important. Records must be updated on a daily basis and a daily construction report issued. The construction QAQC plan requires that all construction drawings be stored and that As-Built drawings be prepared and reviewed.

For any construction activity the EPA requires submittals that conform to regulation and must be approved by the EPA prior to construction.

Field changes for QAQC will be limited to the construction QAQC plan and contractor quality control plan changes. Changes to construction processes or design plans and specifications are governed by the remedial action work plan and design change order procedures.

The project owner, the construction manager, site manager, or construction quality assurance officer may initiate revisions to this construction QAQC plan. It may be revised whenever it becomes apparent that the construction QAQC procedures or controls are inadequate to support work being produced in conformance with the specified quality requirements, or are deemed to be more excessive than required to support work being produced in conformance with the specified quality requirements.

Construction of a process plant is complex undertaking. However, the project owner is well advised to invest in QAQC services in order to prevent poor quality construction that may



result in serious project delays and substantial cost over-runs. Process Technical Services has experienced and qualified personnel that are familiar with construction QAQC procedures and are available to establish a construction program for your project, or to provide support for an established construction QAQC project team.

# QA IS QUALITY ASSURANCE BUT QC IS QUALITY CONTROL

*The difference is that QA is process oriented and QC is product oriented.*

*Testing, therefore is product oriented and thus is in the QC domain. Testing for quality isn't assuring quality, it's controlling it.*

**“Quality Assurance makes sure you are doing the right things, the right way.”**

**“Quality Control makes sure the results of what you've done are what you expected.”**





Compiled by *Niraj Disha*

# LOK SABHA APPROVES 4 SUPPLEMENTARY GST BILLS

## 4 BILLS PASSED IN LOK SABHA (Lower House of Parliament)

Central Government is all set to roll out GST from July 1, 2017. Another revolutionary step has been taken. After Almost 7 hours, a day long discussion and crossing all the setbacks moved by the opposition parties, finally Lok Sabha managed to pass following four bills which were earlier passed by Union Cabinet on March 20, 2017:-

The Central Goods And Services Tax (CGST) Bill, 2017

The Integrated Goods And Services Tax IIGST) Bill, 2017

The Union Territory Goods And Services Tax (UTGST) Bill, 2017

The Goods And Services Tax (Compensation To States) Bill, 2017

After the roll out of GST, dozens of Indirect Taxes will be subsumed to make the nation unified tax zone. The introduction of GST will restructure the complex tax structure and have a major impact on economic growth.

Let's have a glimpse to these four bills which are recently passed in Lok Sabha, one by one:

### 1. Central Goods and Services Tax Bill, 2017 (CGST Bill, 2017)

- A Bill to make a provision for levy and collection of tax on intra-state supply of goods or services or both by the Central Government and the matters connected therewith or incidental thereto.
- This Bill will give powers to the centre to levy tax after levies of excise, service tax and additional custom duty is subsumed.
- This Bill also provides for e-commerce companies to collect tax at source at a rate not exceeding 1 per cent of net value of taxable supplies, out of payments to suppliers supplying goods or services through their portals.



- It will be applicable to whole of India (except the State of Jammu and Kashmir).
- The CGST fixed the peak rate at 20 per cent.

## 2. Integrated Goods and Services Tax Bill, 2017 (IGST Bill, 2017)

- A Bill to make a provision for levy and collection of tax on inter-state supply of goods or services or both by the Central Government and the matters connected therewith or incidental thereto.
- This Bill provides for the levy and collection of tax on supply of goods and services between states.
- It will be applicable to whole of India (except the State of Jammu and Kashmir).

## 3. GST (Compensation to States) Bill, 2017

- A Bill to provide for compensation to the States for the loss of revenue arising on account of implementation of the goods and services tax in pursuance of the provisions of the Constitution (One Hundred and First Amendment) Act, 2016.
- This Compensation Law will provides for levy of cess on top of the peak rate of the approved tax on luxury car, paan masala, tobacco, aerated waters and coal to create a non- lapsable fund for compensating States. In other words, products which are harmful for health will be taxed at 28 per cent and the difference from current rate will go to compensation fund
- **It applies to Whole of India.**

## 4. Union Territory Goods and Services Tax Bill, 2017 (UTGST Bill, 2017)

- A Bill to make a provision for levy and collection of tax on intra-state supply of goods and services or both by the Union Territories (Chandigarh, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu) and the matter connected therewith or incidental thereto.
- This Bill will enable levy and collection of tax on supply of goods and services or both within a union territory.

**No Inflationary Impact-** It is expected that the tax rates will be kept at the current levels only.

**Maximum Rate of GST-** Government sets the maximum GST rate at 40%.

**Boost on Economic growth –** It is expected that after the launch of GST, the economic growth will be boost by

near about 0.5 percentage points in its first year of implementation.

**Slabs in the GST –** The four slabs in the GST are 5%, 12%, 18% and 28%.

**All the four bills after a day long discussion, finally approved by the Lower House of Parliament, next would be presented before the upper house of Parliament.**



रास



## RAS CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY (Operated & Registered By Rajya Sabha Employees)

### रास (राज्यसभा) को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी

रास (राज्यसभा) को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी जो की रास (राज्यसभा) के उच्च अधिकारियों श्री प्रदीप चतुर्वेदी (डायरेक्टर आई.टी. राज्यसभा), श्री आशुतोष अवस्थी जी, श्री राजेंद्र प्रसाद तिवारी जी और कुछ अन्य लोगो द्वारा 2014 मे बनायी गयी है जिसका उद्देश्य राज्य सभा, लोक सभा और सेक्रेट्रिएट के कर्मचारियों और उनके परिवार को उच्चतम और हाई एन्ड घर उपलब्ध करना था। अब सोसाइटी की सदस्यता राज्य एवं केन्द्र के कर्मचारियों के लिये खोल दी गयी है।

### यह कहाँ स्थित है ?

सहकारी समिति के नियमों के अनुसार, किसी भी एप्रूव्ड भूमि का अधिग्रहण सीजीएस द्वारा किया जाता है। लेकिन नोयडा क्षेत्र में भूमि का अधिग्रहण बिल्डिंग प्रणाली से प्राधिकरण द्वारा आवंटित किया जाता है। तो रास को भूमि अधिग्रहण किसी अधिकृत बिल्डर की क्रेडिटीबिलिटी और लीगल अप्रोवल्स जैसे की माइनिंग, फायर फाइटिंग, एयर ट्रीफिक और एनवायरमेंट क्लीयरेंस की जाँच के बाद करनी थी, सोसाइटी के सदस्यों को ध्यान मे रखते हुए जोकि Bureaucrats, Secretariat ऑफिशल्स, संसद सदस्य है रास ने एक 3 साइड ओपन भूमि Demarke की है।

जिसका पता: प्लॉट नंबर 05ए, सेक्टर 16, ग्रेटर नोयडा वेस्ट है।

(14 लेन एन.एच-24 से 800मी. की दूरी पर)

### सोसाइटी का सदस्य होने का लाभ

- ◆ एक प्रतिष्ठत समुदाय के मेंबर होने के कारण आपके परिवार को safe और intellectual वातावरण में रहने का मौका मिलता है।
- ◆ समाज के प्रमुख सदस्य निर्माण कार्य का मासिक मूल्यांकन द्वारा निर्माण की गुणवत्ता का ख्याल रखेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि आपका फ्लैट समय पर आपको मिल जाए।
- ◆ सोसाइटी का मेंबर होने के बाद आपको लिए इजी लोन की सुविधा सरकारी बैंकों से उपलब्ध होगी। (आपके फाइनेंसियल पर निर्भर करता है)

**Contact: 9560895660/62**



## SMART FEATURES



Smart Door Lock



Smart Smoke Sensor



Smart Security Device



Smart Gas/Fire Sensor



Smart Lights/Bulbs



Occupancy Sensor



Smart Switches

## परियोजना के लाभ

पहली बार ऐसी सोसाइटी लॉन्च हुई है जो नेचर और टेक्नोलॉजी एक मिश्रण है

नेचर में शामिल है

- ◆ The first lake city of NCR with artificial manmade lake with Flowing water
- ◆ Green Building with IGBC certified Gold rating standards
- ◆ 1492 trees to be Dedicated with mothers name of the flat owners as memories
- ◆ 10000 sq mt of Central Green Area
- ◆ Open layout with Sunlight and fresh air

Smart Society

- ◆ Facility management through your mobile
- ◆ Visitor management (Smart Cards Facility)
- ◆ Surveillance through CCTV Daily security report
- ◆ Staff management and vendor management
- ◆ Online complaint, handling / Vehicle handling

## फ्लैटों की सूची इस प्रकार है

Area (Sq.ft.)	Unit	No. of Unit	Cost of Booking	Booking Amount
2265	4BHK + Servant	21	69.08 Lac	2 Lac
1840	3BHK + Servant	42	56.12 Lac	1.5 Lac
1450	3BHK	33	44.22 Lac	
1320	3BHK+ Study	50	40.26 Lac	1 Lac
1055	2BHK	10	32.17 Lac	

## सोसाइटी में शामिल होने की शर्तें:

1. संसद के अधिकारी, मंत्रालय सरकारी कर्मचारियों के लिए बुकिंग के समय ID Card अनिवार्य है
2. फ्लैटों का आवंटन लकी ड्रा के द्वारा होगा

W : [www.rajyasabhachs.org](http://www.rajyasabhachs.org)

E : [membership@rajyasabhachs.org](mailto:membership@rajyasabhachs.org)

Construction Partner



Member





Address- A86, Sector - 63, Noida, Tel. - 0120-479899, Email : membership@rajyasabhasociety.org, Web. - www.rajyasabhasociety.org

## PRESENTS SMART DIGITAL HOMES



**2** BHK+ Study  
**1320 sq.ft.**  
Luxury Homes

### RAS (RAJYA SABHA CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY)

(Operated & Registered By Rajya Sabha Employees)

Rajya Sabha Cooperative Housing Society LTD also known as RAS which was founded by some officials of Rajya Sabha Secretariat which includes Mr. Pradeep Chaturvedi (OSD to Lok Sabha Speaker), Mr. Ashutosh Awasthi, Mr. Rajendra Prasad Tiwari in 2014, which was having a mission to provide High End apartments to the employees of the Rajya Sabha and Lok Sabha Secretariat and their families and friends.

#### FEATURES

-  SMART DOOR LOCK
-  SMART SECURITY DEVICE
-  SMART SMOKE SENSOR
-  SMART LIGHTS / BULBS
-  SMART SWITCHES
-  SMART OCCUPANCY SENSOR
-  SMART DOOR BELL

#### Smart Door Lock

- In-line and outside LCD touch screen & electronic code pad
- Accelerometer detects whether door is open or close
- Internal Speaker, Internal noise canceling microphone

#### Home Security System

- Watch live from anywhere at anytime
- Automatically changes modes when you enter and leave your home
- When motion is detected, alerts are sent to your phone

#### Smart Switches

- Light your home the way you want.
- The Wi-Fi enabled Smart Switch allows you to turn lights on and off from anywhere.
- It works with your existing Wi-Fi network and anywhere

#### Smoke & CO Detector

- Voice alerts with custom location
- Detects carbon monoxide
- Head-Up alerts, Nightly Proactive, Path light
- Occupancy sensor, 120° field of view

#### Smart LED Bulbs

- Turn lights on, off or dim individually or as a group — from anywhere
- Create custom schedules and control for your LED lights individually or as a group
- Simulated Occupancy feature turns your lights on and off automatically making it look like you're home.

#### Smart Lightening System

- Play with light and choose from 16 million colors to match the light to your mood
- Sync lights with movies & music
- Ease your sleeping routine and wake up gently for a fresh start of each day.

#### Gas & CO Sensor

- Protect Your Home from Dangerous Gas Leaks
- Intelligent Detect Suspicious Room
- Support Custom Intelligent Alerts

#### Occupancy Sensors

- Automatically turn lights on when you enter a space and off when you leave.
- Sensor switches passive infrared (PIR) or dual-wavelength sensing inside
- Prevents damage for major, minor and fire motion



1. All natural FIVE elements VIZ., Air, Water, Earth, Fire & Ether have been acquired in ABUNDANCE IN design features

This is the only project in Greater Noida West which ensures the natural air (flowing unobstructed in all the flats) and in all the rooms by its very design.

Air

Water : Lake created in front of the Towers is bringing impact of Oasis in a desert of Concrete Jungle.

Water

Three sided open plot having 2.5 Acres of Central park will have 1600 Trees Planted in the names of the mother of the family.

Earth

Directional positioning of all towers brings maximum positive energy level as per Vastu.

Fire

Green Area declared within and outside the project brings enough space for the residents to deliver wealth as an inheritance for their generations to come.

Either

2. No Tower has shadow on the other sixteen falling to stop the Sunlight. Each Flat is three side open for perfect confidentiality & Private living
3. Water supplied will be potable which will not only protect health of residents but will also of equipment in the household viz. Fittings & Geysers
4. Location is 800 Meters from upcoming 14 Lane Highway on NH24, 1.5 Kms from NH 51. Metro 1.5 Kms backed by Feeder Busses.
5. Smart Homes with Opti Fibre Network for integration of TV, Net, Telephony and phone handset remote controlled home automation concept homes.

## Lifestyle Statement

- The First Lake City in NCR
- 3 Side Open corner plot
- 2.5 acres of central green
- Parking space for 3000 cars against the 1500 accommodations
- Podium Based architecture
- Business lounge for external meetings.

- Centralized Water treatment plant for potable water.
- Sewage Treatment plant.
- Swimming pool and Club house for residents
- Amphi-theatre for Society function
- Commercial complex at the entrance
- Dual elevator in each tower
- Quality product, finest material and fastest construction

**Call: 9560895660-62**

W : [www.rajyasabhachs.org](http://www.rajyasabhachs.org)

E : [membership@rajyasabhachs.org](mailto:membership@rajyasabhachs.org)

Construction Partner

**RUDRA**  
Lifestyle Statements

Member

**CREDAI**



**RUDRA**  
Lifestyle Statements

RUDRA  
**UNO**  
SECTOR-150, NOIDA



बैंक ऑफ महाराष्ट्र  
Bank of Maharashtra  
भारत सरकार का उद्यम  
एक परिवार एक बैंक





# ₹74.25 Lac

Unit size (1650, 3BHK.)

All inclusive

Best Project  
in Noida

Contact for more info:

# 9560895664

## RUDRA

Lifestyle Statements

Apace Buildtech Private Limited

Regd. Office: D-53, Okhla Phase-I, New Delhi

Corp. Office: A-66, Sector-63, Noida. • Tel.: 0120-4769999

• Site Office: Plot No-SC-Q1/B6, Sports city, Sector 150, Noida (U.P)

Contact: 99993 74018

Email: [rbd@rudrabuildwell.com](mailto:rbd@rudrabuildwell.com) • [www.rudrabuildwell.com](http://www.rudrabuildwell.com)

ARCHITECT

**BAA**

**BHATNAGAR  
AND  
ASSOCIATES**



Project From Rudra  
a  
Member  
of  
**CREDAI**

Approved Banks



Proposed Banks





**RUDRA**  
Lifestyle Statements

RUDRA



SECTOR-150, NOIDA







**DEDICATED  
TOWER  
FOR DOCTOR**

**SPACIOUS  
& INVITING  
GOLFVIEW  
APARTMENTS**







A COMPLETE HOME AUTOMATION

## Lifestyle Statements

- ◆ Modern Living
- ◆ Three Tier on Express Way, Noida
- ◆ 24 Hour Security
- ◆ Picturesque Golf Course Parks
- ◆ Ample Power Backup
- ◆ Smart Towers
- ◆ High Speed Elevators
- ◆ Smart Rooms, Kitchen & Toilets
- ◆ Two Parking Per Flat

## SMART HOME FEATURES

-  SMART DOOR LOCK
-  SMART OCCUPANCY SENSOR
-  SMART BULB & LIGHTS
-  SMART SECURITY DEVICE
-  SMART GAS SENSOR
-  SMART SWITCHES SENSOR
-  SMART SMOKE SENSOR



Unit Size

**1750sq.ft.**

3 BHK + Study + 3 Toilet

If Interested Please Whatsapp :

Name : .....

Phone : .....

E. mail : .....

**Call for more info: 9560895660/61**

Official Banking Partner for Home Loan

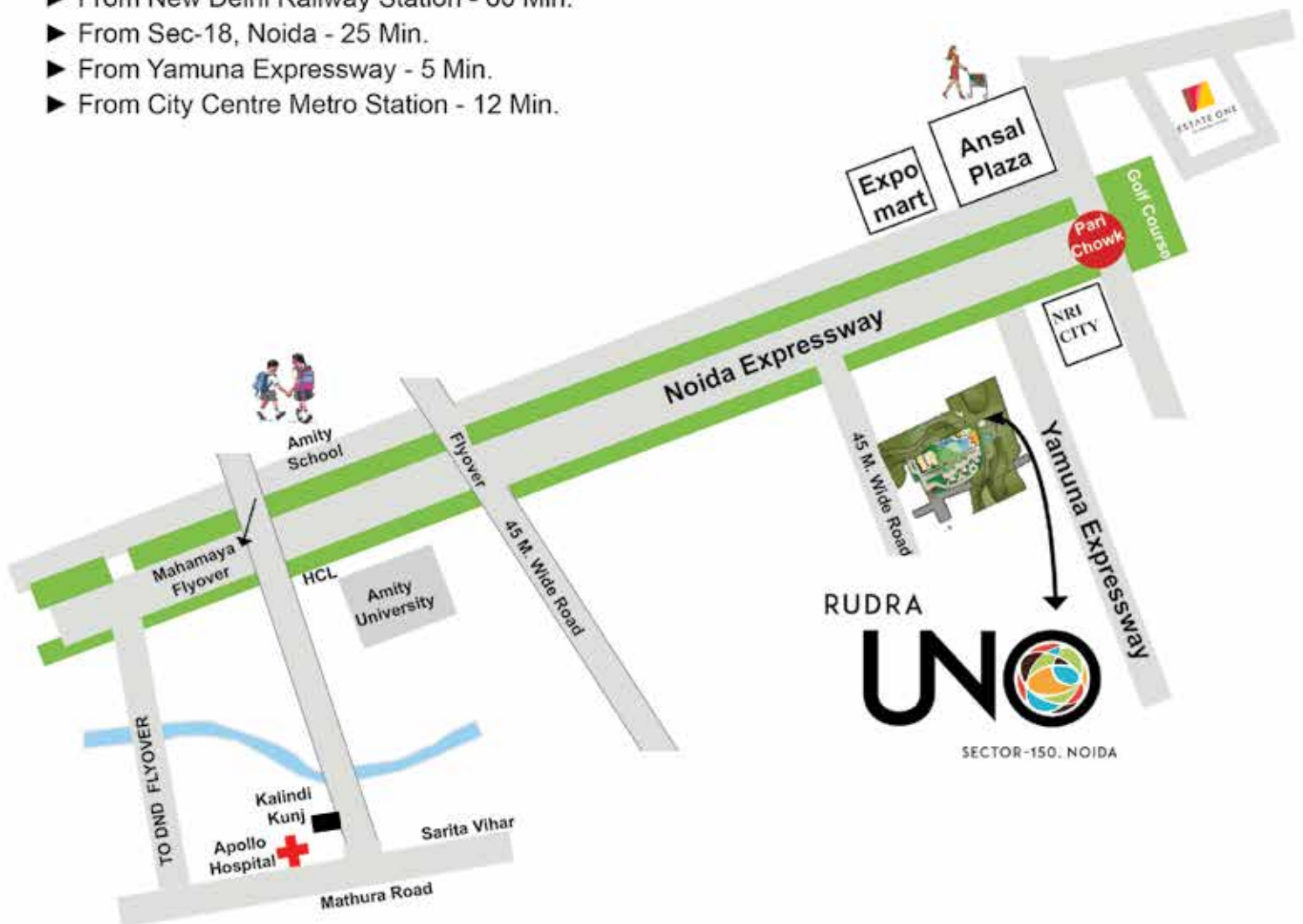


PRESENTS  
**SMART**  
DIGITAL HOMES

LIVE IN SMART SOCIETY & SMART HOME

Road Map

- ▶ Proposed Metro Station from Pari Chowk - 10 Min.
- ▶ From International Airport - 80 Min.
- ▶ From New Delhi Railway Station - 60 Min.
- ▶ From Sec-18, Noida - 25 Min.
- ▶ From Yamuna Expressway - 5 Min.
- ▶ From City Centre Metro Station - 12 Min.







PRESENTS  
**SMART**  
 DIGITAL HOMES



## Noida's First **SMART** Digital Society and Homes

- ▶ 3 Tier Security | Computerized Visitor Management | Time Based | **Smart Cards Entry** |
- ▶ Internal Tracking | Visitor Photo | E-mail Alerts | Mobile Notifications | Online Surveillance
- ▶ The **Lake of 1Km.** (approx) length with 60 feet on widest side.
- ▶ 3 side open plot facing green belt in concrete jungle of Noida Extention.
- ▶ Podium based most modern architecture.
- ▶ One of the best open layout : sunlight and fresh air assured in all 1400 flats.
- ▶ Centralized **Water Treatment Plant** removing high acid salts, damaging human health on consumption and CP sanitary fittings.
- ▶ Mechanized car washing system, optical fibre connected flats and business lounge.
- ▶ IGBC & GRIHA Certified **Green Building Project** with Gold Standards and rating.
- ▶ 1492 trees to be planted in the name of mothers of the flat owners as memories forever.

*LIVE LIFE.....DIGITAL STYLE*

# Holi Celebration with Rudragan











# Certificate Distribution Training on MRP Module







# शुभ राम नवमी

